

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ



कार्यवाही
उपकार प्रायोजित शीतकालीन शिक्षा कार्यक्रम में उपस्थिति

“वैश्वीकरण के दौर में उभरती हुई पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक तथा उन्नत नैदानिक उपकरणों का एकीकरण”

21-30 नवम्बर, 2025

2025

उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं
गो-अनुसंधान संस्थान, मथुरा-281001, उत्तर प्रदेश, भारत



विषय: "वैश्वीकरण के दौर में उभरती पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक एवं उन्नत नैदानिक उपकरणों के एकीकरण" विषय पर उपकार प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय के समापन सत्र के संबंध में

दिनांक: 30 नवम्बर, 2025

स्थल: पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (डूवासु), मथुरा-281001, उत्तर प्रदेश, भारत

शीतकालीन विद्यालय अवधि: 21-30 नवम्बर, 2025



उपकार से प्रतिनिधिमंडल

- ✓ डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार
- ✓ डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार

शीतकालीन विद्यालय का संक्षिप्त विवरण

इस शीतकालीन विद्यालय का मुख्य विषय था: "वैश्वीकरण के दौर में उभरती हुई पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक और उन्नत नैदानिक उपकरणों का एकीकरण।"

- ❖ **भागीदारी:** शीतकालीन विद्यालय के लिए प्राप्त 43 आवेदनों में से कुल 25 प्रतिभागियों का चयन किया गया।
- ❖ **पहुंच:** इस कार्यक्रम में पूरे भारत से प्रतिभागिता हुई, जो प्रशिक्षण में व्यापक रुचि और राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती है।
- ❖ **प्रतिक्रिया:** प्रतिभागियों का उत्साह अत्यंत सराहनीय रहा। तकनीकी कौशल में सुधार और समुदाय के भीतर संपर्क निर्माण के अवसर शीतकालीन विद्यालय से मुख्य लाभ रहे।

समापन सत्र की मुख्य विशेषताएँ:

समापन सत्र ने 10-दिवसीय गहन शीतकालीन विद्यालय कार्यक्रम के औपचारिक समापन के रूप में कार्य किया।

- **उपकार के महानिदेशक द्वारा अध्यक्षीय संबोधन:** डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार, ने शीतकालीन विद्यालय में अध्यक्षीय संबोधन दिया।
- उन्होंने इस विषय के महत्व और उभरती हुई पशु बीमारियों से निपटने हेतु उन्नत निदान विधियों के एकीकरण की समयोचित आवश्यकता को विशेष रूप से वैश्वीकरण के संदर्भ में उजागर किया।

- उन्होंने देश की पशु स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने में इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की भूमिका पर जोर दिया। साथ ही, समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक मार्ग संवर्धन पहल को प्रायोजित करने में उपकार की भूमिका को विशेष रूप से उजागर किया।
- **उपकार की वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा टिप्पणियाँ:** डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, ने शीतकालीन विद्यालय के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ दीं। उन्होंने डूवासु द्वारा सफल आयोजन और संकाय एवं प्रतिभागियों द्वारा दिखाए गए समर्पण को सराहा। उन्होंने शीतकालीन विद्यालय के दौरान अर्जित ज्ञान को क्षेत्र एवं प्रयोगशाला दोनों परिस्थितियाँ में लागू करने के महत्व पर जोर दिया।
- **आगामी कार्यक्रम की घोषणा:** उपकार के प्रतिनिधिमंडल ने आगामी प्रमुख कार्यक्रम की घोषणा करने का अवसर लिया, जिसे उपकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है:
 - ❖ **कार्यक्रम:** उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान सम्मेलन (UPASC 2026)
 - ❖ **विषय:** "विकसित कृषि- विकसित भारत@2047 के लिए कृषि का रूपांतरण"
 - ❖ **तिथियाँ:** 14-16 फरवरी, 2026
 - ❖ **स्थल:** रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी (उत्तर प्रदेश)

 <p>UTTAR PRADESH AGRICULTURAL SCIENCE CONGRESS (UPASC 2026) on Transforming Agriculture for Viksit Krishi-Viksit Bharat@2047 14-16 February, 2026 Venue Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi (Uttar Pradesh)</p>  <p>Organized by Uttar Pradesh Council of Agricultural Research Lucknow & Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Jhansi</p>	<p>About the Uttar Pradesh Agriculture Science Congress (UPASC2026)</p> <p>Since independence, India's agricultural sector has made spectacular progress. A nation's amazing transition from food insecurity to food surplus is a success story. Still, there are many constraints being faced by modern agriculture such as resources depletion, climate change, and changing consumers' demand. The scientific and technological developments in the fields of biotechnology, digital agriculture, precision farming, and sustainable practices present huge prospects. To increase research and development as per the climate and soil, we must prepare ourselves and make sincere efforts. To exploit full potential of the technological advancements as a global leader in competitive, climate-resilient, and sustainable agriculture, the agricultural industry must overcome these challenges and take advantage of the opportunities. The next twenty-two years, leading to the centenary of India's independence in 2047, which is referred to as the Amrit Kaal, offer vast opportunities to revamp agriculture sector through bold policy reforms, cutting-edge research, inclusive education, and a robust extension system.</p> <p>Cordial invitation</p> <p>We are cordially inviting you to participate in the Uttar Pradesh Agricultural Science Congress on "Transforming Agriculture for Viksit Krishi-Viksit Bharat @2047" being organized by UPOAR at Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi (U.P.) during 14-16 February 2026. The organizing committee is confident that the congress will have many participants with your support and seeks the cooperation of you all in giving wide publicity among interested people. We are looking forward in meeting you at Jhansi during 14-16 Feb. 2026.</p>	<p>Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR), Lucknow</p> <p>The UPCAR has been established on 14 June 1989 with its headquarters at Lucknow. Over the years it has developed expertise to find out solutions on the emerging problems related to agriculture and allied sectors in the state with the co-ordination of the State Agricultural Universities (SAUs), ICAR and CSIR Institutes located in the state. Government of Uttar Pradesh has nominated UPOAR as Nodal agency for coordination, monitoring & evaluation of SAUs. It has established strong linkages with Government Departments and other institutions engaged in the fields of agriculture and allied sectors.</p> <p>Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University (RLBCAU), Jhansi</p> <p>RLBCAU has been established in 2014 by an Act of Parliament as an Institution of National Importance. RLBCAU has the key objectives to impart education in different branches of agriculture and allied sciences, undertake research and extension education and promote linkages with national and international academic institutions. The university has established different constituent colleges, namely, College of Agriculture, College of Horticulture & Forestry at Jhansi in Uttar Pradesh; and College of Veterinary & Animal Sciences and College of Fisheries at Datia in Madhya Pradesh. The third campus of the university is being established at Morena (MP).</p> 
--	---	--

निष्कर्ष:

समापन सत्र ने उपकार प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय के सफलतापूर्वक संपन्न होने को चिह्नित किया। उपकार द्वारा युवा पेशेवरों एवं सहायक प्राध्यापकों के लाभ तथा उनके ज्ञानवर्धन के लिए ऐसे ग्रीष्म एवं शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रायोजित किया जाता है। उपकार के गणमान्य अधिकारियों के संबोधन ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण रणनीतिक दिशा एवं प्रेरणा प्रदान की, जबकि यू.पी.ए.एस.सी.-2026 की घोषणा ने भविष्य में कृषि एवं वैज्ञानिक सहभागिता के अवसरों की एक झलक प्रस्तुत की।

भ्रमण के झलकियाँ:









